खोलो खोलो दरबार मेरे साँई

खोलो खोलो दरबार मेरे साई मुझे तेरी शिर्डी आना है,
शिरडी आना है मुझे तेरी शिर्डी आना है
मेरा और न कोई ठिकाना मुझे तेरी शिर्डी आना है

आस लगाई तेरे चरणों की अभिलाशा है बस दर्शन की
मेरा जीवन तेरे सहारे मुझे तेरी शिर्डी आना है
खोलो खोलो दरबार मेरे साँई

दुःख ने है घेरा विपदा जो आई स्वर्ग से प्यारी हिया द्वारिका माई
तेरा कण कण में वास मेरे साई मुझे तेरी शिर्डी आना है
खोलो खोलो दरबार मेरे साँई

साई संसार मेरे मन को है भाये तुम ही इक साई मुझे गले से लगाये,
पार लगा दो तुम नैया को मेरी मुझे तेरी शिर्डी आना है
खोलो खोलो दरबार मेरे साँई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20127/title/kholo-kholo-darbar-mere-sai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |